Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to provide facilities to pilgrimes during Pandarpur Yatra in Maharashtra.

माननीय अध्यक्ष: श्री श्रीरंग आप्पा बारणे जी।

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल): माननीय अध्यक्षा जी, …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब पंढरपुर यात्रा हो गई है, अब आपको क्या बोलना है?

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे: माननीय अध्यक्षा जी, यह अतिमहत्वपूर्ण विषय है। महाराष्ट्र में पंढ़रपुर एक ऐसा तीर्थ स्थल है, जहां परमात्मका पांडुरंग का मंदिर है। यहां आषाढ़ और कार्तिक मास एकादशी को तीर्थ यात्रा होती है, जिसका जिक्र माननीय प्रधान मंत्री जी ने 29 जुलाई को मन की बात में किया था। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि पांडुरंग वारी अपने आप में एक अद्भूत यात्रा है। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, आध्र प्रदेश, तेलंगाना और गोवा से लाखों की संख्या में तीर्थ यात्री संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज की पालखी में देहु आलंदी से चल कर वहां आते हैं। सभी देशवासियों को पंढरपुर वारी का आनंद लेना चाहिए, ऐसा प्रधान मंत्री जी ने कहा था।

माननीय अध्यक्षा जी, देहु से पंढरपुर तक यात्रा में जो वारकरी चल कर आते हैं, उनकी संख्या पांच-छ: लाख होती है। पंढ़रपुर यात्रा के दरम्यान जो लोग आते हैं, उनकी संख्या 10-15 लाख होती है। पंढ़रपुर में बहुत तरह से असुविधा होती है। वहां पर यात्रियों को पीने का पानी, स्वच्छता और शौचालय का पूरी तरह से अभाव है। मैं केन्द्र सरकार से विनती करता हूं कि पंढ़रपुर, देहु और आलंदी तीर्थ क्षेत्र है, उनके सुधार के लिए ज्यादा से ज्यादा आर्थिक निधि दी जाए।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री राजीव सातव,

श्री अरविंद सावंत,

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे और

श्री राजन विचारे को श्री श्रीरंग आप्पा बारणे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।